

प्रेषक

सी० भारकर,
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक
उरेडा
देहरादून।

ऊर्जा विभाग

देहरादून: दिनांक १९ मार्च, २००८

विषय:

वित्तीय वर्ष २००७-०८ में उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को वैकल्पिक ऊर्जा कार्यक्रम के लिये अनुदान की स्वीकृति।

प्रहोदय

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या २५४५/२००७/उरेडा/३(१)३७ बजट/०७, दिनांक १८-१-२००८ के संदर्भ में एवं शासनादेश संख्या-३८५२/१/२००७-०३(१)/२१/२००७, दिनांक २४-८-२००७ के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष २००७-०८ में उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को राज्य योजना के अर्न्तगत टी०एस०पी० में सोलर फोटोवोल्टाईक कार्यक्रम हेतु रु०-६८० हजार एवं सधु जल विद्युत एवम सुधारित घाट योजना हेतु रु०-८४० हजार अर्थात् कुल रु०-१५२० हजार (रु० पंद्रह लाख मात्र) की धनराशि अनुदान के रूप में निम्न शर्तों के अधीन आवंटित कर व्यय करने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- १- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष जिन योजनाओं में भारत सरकार से धनराशि प्राप्त होती है, उसे प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त कर योजनावार प्राप्त केन्द्रांश की सूचना शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।
- २- स्वीकृत धनराशि का बिल निदेशक, उरेडा द्वारा तैयार कर सहस्रक विद्युत निरीक्षण, देहरादून के प्रतिष्ठानाधारित के उपरान्त देहरादून कोषागार से आवश्यकतानुसार ही धनराशि का आहरण किया जायेगा।
- ३- व्यय करने से पूर्व बजट मैन्युअल, फाईनैन्सियल हैंडबुक, स्टोर चैज, मूल्य मितव्ययता, टेंडर के विषय में निर्गत आदेश एवं अन्य के सुसंगत नियमों का अनुपालन किया जायेगा, यदि कार्य पर स्वीकृति के पूर्व किसी तकनीकी स्वीकृति की आवश्यकता है, तो वे भी प्राप्त कर ही धनराशि व्यय की जायेगी।
- ४- स्वीकृत की जा रही धनराशि का मदवार व्यय विवरण व उपयोगिता प्रमाण पत्र निदेशक, उरेडा द्वारा शासन को तत्काल उपलब्ध कराया जायेगा।
- ५- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु उरेडा मुख्यालय पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- ६- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक: ३१.३.२००८ तक उपयोग सुनिश्चित कर लिया जायेगा और उक्त तिथि तक कार्यवार वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। समय से धनराशि का उपयोग न करने वाले प्रोजेक्ट मैनेजर/सहाय अधिकारियों का स्पष्टीकरण प्राप्त कर उसके विरुद्ध समुचित कार्यवाही की जायेगी।

7- गत वर्षों में एस0सी0पी0/टी0एस0पी0 के अन्तर्गत कराये गये कार्यों का जनपदवार एवं वर्षवार विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा ताकि एन0आई0सी0 की साईट पर फीड कर एक प्रति समाज कल्याण प्रकोष्ठ को उपलब्ध कराई जा सकें।

8- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2810-वैकल्पिक कर्जा-आयोजनागत की सलम्नाक में उल्लिखित सुसंगत गानक गदों के नामों डाला जायेगा।

2- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-201/वित्त-2/2008 दिनांक 18 मार्च 2008 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न- यथोक्त।

भवदीय

(सी0 भास्कर)

अपर सचिव

428

संख्या- /1/2008-03(1)/21/07, तददिनांक।

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालाखाकार, उत्तराखंड, देहरादून।
- 2- स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखंड।
- 3- कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- सहायक विद्युत निरीक्षक, उत्तराखंड शासन, देहरादून।
- 5- सचिव, मुख्यमंत्री को मा0 मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 6- प्रभारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7- नियोजन विभाग/समाज कल्याण प्रकोष्ठ।
- 8- वित्त अनुभाग-2
- 9- विभागीय आदेश पुस्तिका हेतु।

आज्ञा से

(एम0एम0 सेगवाल)

अनु सचिव

428
शासनादेश सं० /1/2008-3(1)/21 /2007, दिनांक 19 मार्च, 2008 का संलग्नक

अनुदान सं०-31

धनराशि रु० हजार में

क्र०	लेखाशीर्षक	धनराशि
1	2810- वैकल्पिक ऊर्जा 02-सोलर एनर्जी-आयोजनागत 796- जनजातीय क्षेत्र उपयोगिता 03-सोलर फोटोवोल्टाइक कार्यक्रम हेतु उरेडा को सहायता-00 20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	560
2	60-ऊर्जा के अन्य स्रोत-आयोजनागत 796-जनजाति क्षेत्र उप योजना 03- लघु जल विद्युत एवं सुधारित घराट योजना 01- उरेडा को सहायता 20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	840
	योग :-	1400

(रु० चौदह लाख मात्र)

(सी० भास्कर)
अपर सचिव ।